● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा ने भरा नामांकन पर्चा

03 एक लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन पर नजर रखें बैंकर्स, जानकारी करें साझा

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार,05 अप्रैल 2024 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 34

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

'इज़रायल में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सजग है सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि रोज़गार के लिए इज़रायल जाने वाले भारतीय कामगारों की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने के लिए वह इज़रायल सरकार के साथ संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा,“ जी2जी (सरकारों के बीच) समझौते के तहत भारतीय कामगारों का पहला जत्था इज़रायल गया है। हमारे लिए, उनकी सुरक्षा एवं कल्याण महत्वपूर्ण है। हमने इज़रायली अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे उनकी देखभाल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें।” एक अन्य सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय कामगारों का पहला जत्था कर्मचारी मोबिलिटी समझौते के तहत इज़रायल गए हैं, जिस पर हमने इज़रायली सरकार के साथ हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता हमास के साथ संघर्ष शुरू होने से पहले का है।उन्होंने कहा,“ हालांकि हम उनकी सुरक्षा के प्रति सचेत हैं।

हमने इजरायली अधिकारियों से उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।” ताईवान में आए भूकंप में लापता भारतीय नागरिकों के बारे में पूछने पर प्रवक्ता ने कहा,“ हम दो भारतीयों से संपर्क साधने में कामयाब रहे हैं जिनसे पहले संपर्क नहीं हो पा रहा था। दोनों भारतीय सकुशल हैं।” चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर श्री जायसवाल ने कहा, ₹हमने इस मुद्दे पर बार-बार बात की है। हमने पिछले कुछ हफ्तों में कुछ बयान भी दिए हैं। हमने अपना बयान दोहराया है। कुछ नाम बदलने से आप वास्तविकता को नहीं बदल सकते हैं। वास्तविकता यही है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अभिन्न, अविभाज्य हिस्सा है और यह वैसा ही रहेगा।

देश के लिए निर्णायक साबित होगा यह आम चुनाव: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि राष्ट्र के लिए 2024 का चुनाव निर्णायक साबित होगा, इसलिए लोगों को देश को बिगाड़ने और बनाने वालों के बीच फर्क समझने की जरूरत है। श्री गांधी ने गुरुवार को कहा, ₹देश इस वक्त निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। हर वर्ग को 'देश बनाने' और 'देश बिगाड़ने' वालों के बीच का फर्क पहचानना होगा। कांग्रेस और इंडिया समूह की नीति समझाते हुए उन्होंने कहा, ₹कांग्रेस और इंडिया मतलब : युवाओं की पहली नौकरी पक्की, किसानों को एमएसपी की गारंटी, हर गरीब महिला लखपति, श्रमिक को न्यूनतम 400 रू प्रतिदिन, जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे, सुरक्षित संविधान और नागरिक के अधिकार।उन्होंने भाजपा और उसकी नीति का भी मतलब समझाया और कहा, ₹भाजपा मतलब : बेरोज़गारी पक्की, किसानों पर कर्ज़ का बोझ, असुरक्षित और अधिकारविहीन महिलाएं, मजबूर और बेबस मज़दूर, वंचितों के साथ भेदभाव और शोषण, तानाशाही और दिखावे का लोकतंत्र। आपका भविष्य आपके हाथों में है, सोचिए, समझिए और सही फैसला कीजिए।

दूसरी याचिका भी खारिज

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने की लगी थी याचिका

ईडी ने श्री केजरीवाल पर दिल्ली शराब नीति 2021-2022 (विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) के माध्यम से गलत तरीके से करोड़ों रुपए हासिल करने के लिए मुख्य भूमिका निभाने वाला साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है।

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब नीति में कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद से हटाने का निर्देश देने की मांग वाली दूसरी जनहित याचिका भी गुरुवार को खारिज कर दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने 'हिंदू सेना' के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की याचिका पर यह कहते हुए विचार करने से इनकार कर दिया कि यह उपराज्यपाल या राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायालय ने हालांकि टिप्पणी की कि यह मुख्यमंत्री पर निर्भर करता है कि उन्हें अपने पद

पर रहना चाहिए या नहीं। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा, “कभी-कभी व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन होना पड़ता है, लेकिन यह उनका (केजरीवाल का) व्यक्तिगत फैसला है।” पीठ ने कहा वह सिर्फ इतना कह सकती है कि इस मुद्दे पर वह फैसला नहीं कर सकती और इस मामले में पर फैसला लेना दिल्ली के उपराज्यपाल या भारत के राष्ट्रपति पर निर्भर है। न्यायालय ने आगे कहा, “हम यह कैसे घोषित कर सकते हैं कि सरकार काम नहीं कर रही है? उपराज्यपाल इस पर निर्णय लेने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्हें (उपराज्यपाल) हमारे मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं है। हम उन्हें सलाह देने वाले कोई नहीं हैं। उन्हें जो भी करना होगा वह कानून के अनुसार करेंगे।” अदालत के इस रुख पर याचिकाकर्ता की ओर से याचिका वापस लेने की गुहार लगाई गई, जिसे मंजूर कर लिया गया। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह अब उपराज्यपाल के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। इससे पहले 28 मार्च को उच्च न्यायालय की इसी पीठ ने अपने को किसान और सामाजिक कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले दिल्ली निवासी सुजीत सिंह यादव की याचिका यह कहते हुए ठुकरा दी थी कि इस मुद्दे की जांच करना कार्यपालिका और राष्ट्रपति का काम है। अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। श्री यादव ने याचिका में दावा किया था कि वित्तीय घोटाले के आरोपी केजरीवाल को मुख्यमंत्री जैसे सार्वजनिक पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। श्री केजरीवाल को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। एक अप्रैल से विरोध अदालत ने उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

कांग्रेस श्रीराम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करके ठीक नहीं किया : गौरव वल्लभ

सोनिया, राहुल, खड़गे घोर सांप्रदायिक, सनातन मिटाने की विचारधारा को समर्पित : अनिल शर्मा

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, बिहार प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता उपेन्द्र प्रसाद ने आज यहां भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी महासचिव विनोद तावड़े तथा राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख ने तीनों नेताओं को सदस्यता पर्ची एवं गुलदस्ता देकर पार्टी में स्वागत किया। श्री तावड़े ने तीनों नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस अपना अस्तित्व खुद ही नष्ट करने पर तुली हुई है। बिहार में कांग्रेस ने प्रदेश के नेतृत्व से पूछे बिना कुछ ऐसे निर्णय थोपें हैं जिनसे कांग्रेस के कार्यकर्ता निराश हैं। महागठबंधन की शक्ति रहे बिहार के दोनों नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जुड़ गये हैं। उनकी योग्यता, क्षमता एवं प्रतिभा का उपयोग करते हुए विकसित भारत के अभियान को अधिक गति

मिलने की आशा है। इस अवसर पर श्री गौरव वल्लभ ने कहा कि कांग्रेस ने श्रीराम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करके ठीक नहीं किया। दिन रात देश के लिए पूंजी एवं संपत्ति निर्माण करने वाले उन उद्योगपतियों को गाली देना कतई उचित नहीं है जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नीतियों के कारण आगे आने का मौका मिला है। गलत नीतियों के कारण मुद्दों को गलत ढंग से लिया जा रहा है। सनातन धर्म को गाली देने के मुद्दे पर कांग्रेस के बड़े बड़े नेताओं का चुपचाप बैठ जाना घोर आपत्तिजनक है। राजनीतिक पार्टियां विचारधारा के आधार पर चलतीं हैं लेकिन कांग्रेस व्यक्तिगत विरोध पर चल रही है जहां नयी सोच के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित बनाने में अपना हरसंभव योगदान देंगे। श्री अनिल कुमार शर्मा ने कांग्रेस के नेतृत्व पर करारा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी सांप्रदायिक दृष्टिकोण वाले नेताओं के चंगुल में फंस गयी है। खुद को सेकुलर कहने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी घोर सांप्रदायिक सोच वाले नेता हैं। इसका प्रमाण है कि इन नेताओं ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को ठुकरा दिया लेकिन इटली में रोम में जब मदर टेरेसा का सेंटहुड कार्यक्रम हुआ था तो कांग्रेस के दो ईसाई नेताओं को अपना विशेष प्रतिनिधि बना कर भेजा था। उन्होंने कहा कि श्री खड़गे इस कदर पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं कि वह अपने भाषणों में कहते हैं कि अगर श्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में आते हैं तो सनातन आ जाएगा। इससे स्पष्ट है कि दोनों नेताओं की मनःस्थिति घोर सांप्रदायिक एवं सनातन विरोधी है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

सुशील मोदी के स्वास्थ्य लाभ के लिए की गई पूजा

भागलपुर। भागलपुर के बूढ़ानाथ महादेव मंदिर में गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता सह बिहार सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेष पूजा-अर्चना भाजपा के द्वारा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व मे किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने पूजा अर्चना कर कहा कि सुशील मोदी हमारे रत्न हैं। उनका मार्गदर्शन हमारे लिए बेहद जरूरी है। जिनकी कार्यकुशलता और व्यवहार के सभी लोग प्रशंसक रहे हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे शीघ्र स्वस्थ होकर लौटें। बिहार का हर एक कार्यकर्ता उनके सकुशल होने

की प्रार्थना कर रहा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप जैन कहा कि वे जल्द पूर्णतः स्वस्थ और सक्रिय हों, ताकि उनके अनुभव, समाज और शासन को लेकर उनकी गहरी समझ का लाभ मुझ जैसे पार्टी के अनगिनत कार्यकर्ताओं को सदैव मिलता रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता निरंजन साह ने कहा कि सुशील मोदी दृढ़ इच्छाशक्ति के प्रतिमान हैं। आपकी जिजीविषा, धैर्य एवं आत्मबल से कैंसर रोग शीघ्र ही पराजित होगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी ने कहा कि बचपन से उन्हें हवाओं का रुख़ मोड़ते हुए देखा है। युद्ध करना आता है। उन्हें पुनः एक बार युद्ध जीत कर स्वस्थ होकर ज़रूर लौटेंगे। इस अवसर पर जिला महामंत्री योगेश पांडेय, विनोद सिन्हा, लोकसभा विस्तारक सतीश चंद्रा, विजयमित्रा मंडल अध्यक्ष निरंजन चंद्रवंशी, अनूप लाल शाह, दीपक कुमार सिंह, हेमंत शर्मा, प्रीति पांडे, संजीव कुमार, गौरव सिंगला ने उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना किया।

एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने पूर्व सांसद पप्पू सिंह से मिलकर आशीर्वाद मांगा

पूर्णिया। पूर्णिया के एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने आज पूर्व सांसद तथा वरिष्ठ नेता उदय सिंह पप्पू सिंह के आवास पर जाकर मुलाकात की तथा उनसे बड़े भाई और छोटे भाई की हैसियत से आशीर्वाद मांगा। संतोष कुशवाहा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनसे राजनीतिक-विमर्श हुआ। मैंने बतौर प्रत्याशी उनसे सहयोग और बड़े भाई के रूप में उनका आशीर्वाद मांगा। उन्होंने पप्पू सिंह से मिले आशीर्वचनों के लिए पप्पू सिंह का आभार जताया ।

लोकसभा चुनाव : एनडीए के दुलालचंद गोस्वामी सहित कुल 20 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

कटिहार। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को कटिहार जिले में चुनाव होना है। गुरुवार 04 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन एनडीए से दुलालचंद गोस्वामी (जदयू), पीपीआईडी से मारांग हांसदा, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से राजकुमार मंडल, बीएसपी से गोपाल कुमार महतो, भारत जागो जनता पार्टी से विष्णु सिंह, राष्ट्रीय समाज पार्टी से सुरेश राय, जम्मू और कश्मीर नेशनल पैंथर पार्टी (भीम) से मोहम्मद महबूब, अपना किसान पार्टी से राज किशोर यादव, समाज शक्ति पार्टी से बिन्दु कुमारी सहित कुल 17 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया। कुल मिलाकर 28 मार्च से 04 अप्रैल तक 21 मान्यता प्राप्त /गैर मान्यता प्राप्त दलों एवं निर्दलीय उम्मीदवार के प्रतिनिधियों ने नाजीर राशिद कटवाया। आज नामांकन का समय खत्म होने तक एक निर्दलीय अभ्यर्थी अहमद अशफाक करीम (राजद से राज्यसभा

सदस्य) ने अपना नामंकन दाखिल नहीं किया। नामांकन को लेकर समाहरणालय के आस-पास विधि व्यवस्था हेतु दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने प्रतिनियुक्त स्थलों पर चौकस होकर तैनात थे। सुरक्षा के मद्देनजर समाहरणालय सभागार के निकट विभिन्नत प्रवेश द्वार में बांस व बैरिकंडिंग किया गया है। नामांकन पत्र की संवीक्षा 05 अप्रैल को तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 08 अप्रैल है।

लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा ने भरा नामांकन पर्चा

भागलपुर। भागलपुर के विधायक सह भागलपुर लोक सभा क्षेत्र से महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा ने गुरुवार को अपना नामांकन पर्चा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, भागलपुर के समक्ष दाखिल किया। इसके पूर्व शर्मा ने बूढ़नाथ मन्दिर में पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरूआत की। बूढनाथ मन्दिर में पूजा के बाद प्रत्याशी शर्मा मौलानाचक स्थित आस्ताना शाहबाजिया जाकर चादरपोशी कर दुआ माँगी। पुनः तातारपुर, स्टेशन चौक, सुजागंज बाजार, खलीफाबाग चौक होते हुए भागलपुर समाहरणालय पहुँचकर अपना पर्चा दाखिल किया। इस अवसर पर स्थानीय सैंडिस कम्पाउण्ड में महागठबंधन द्वारा आयोजित आम सभा में शामिल हुए। आम सभा की

अध्यक्षता जिला राजद अध्यक्ष चन्द्रशेखर प्रसाद यादव ने किया जबकि मंच संचालन प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि डॉ अभय आनन्द ने किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने देश की मौजूदा हालात की चर्चा करते हुए कहा कि आज देशवासियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी देश के संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को बचाने की है। मोदी की निरंकुश तानाशाही ने देश में ऐसा माहौल पैदा कर दिया, जहां विरोधी दल और उनके नेताओं को दमन किया जा रहा है। भागलपुर के विधायक सह लोक सभा के प्रत्याशी अजीत शर्मा ने कहा कि आपके मौजूदा सांसद ने एक बार भी भागलपुर की समस्याओं को लेकर आवाज नही उठाया जबकि मैंने एक विधायक के रूप में सिर्फ भागलपुर विधान सभा क्षेत्र हीं नहीं पूरे भागलपुर जिले की समस्याओं को लेकर तकरीबन 250 से अधिक सवाल उठा कर विकास के कार्य हेतु सरकार को बाध्य किया। मैंने अपने इस प्रयास से संबंधित पुस्तिका छपवाकर मतदाताओं की इसकी जानकारी भी मुहैया कराया। अतः आप मुझे अपना बहुमूल्य वोट देकर संसद भेजें।

चुनाव | सांसद अजय निषाद ने कांग्रेस में शामिल होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को झटका दिया

बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा के साथ

बिहार कांग्रेस और लालू यादव की पार्टी राजद को बड़ा झटका भाजपा ने दिल्ली से दिया। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ राजद के औरंगाबाद से लोकसभा में प्रत्याशी रहे उपेंद्र प्रसाद ने भी सदस्यता ग्रहण की।

पटना ।लोकसभा चुनाव को लेकर दल बदल का दौर जारी है। दो दिन पहले ही भाजपा सांसद अजय निषाद ने कांग्रेस में शामिल होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को झटका दिया था। वहीं आज कांग्रेस के वरीय नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा और राजद नेता रहे उपेंद्र प्रसाद ने इंडी गठबंधन

को झटका दिया है। दोनों नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने दोनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। बता दें कि अनिल शर्मा ने 31 मार्च को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफ़ा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस की कार्यशैली को देखकर ऐसा लगता है कि इनके कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने कहा कि नाम का तो लोकतांत्रिक चुनाव हुआ, लेकिन सच्चाई में वह चुनाव नहीं हुआ। कम से कम सीताराम केसरी जी बिहार के थे, वह तो 92% वोट से जीते थे, लेकिन आंतरिक लोकतंत्र जिस पार्टी का खुद नहीं है, वह लोकतंत्र बचाने की लड़ाई करती है या लड़ाई लड़ती है। स्वाभाविक है इस बात को जनता समझेगी कि कांग्रेस की कथनी और करनी में कितना अंतर है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान वाली बात पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा नाम देकर कन्याकुमारी से यात्रा शुरू किये। इस यात्रा के दौरान एक नारा निकला मोहब्बत की दुकान। मैं समझता हूं कि अगर सचमुच में राहुल गांधी जी मोहब्बत की दुकान का असर देखना चाहते थे और उसे जनता को लाभान्वित करना चाहते हैं या चाहते थे तो राहुल गांधी जी को जम्मू कश्मीर, जहां आतंक की पराकाष्ठा है, जहां एक समुदाय सिर्फ और सिर्फ घृणा की राजनीति करता है नफरत की राजनीति करता है, ऐसी सोच रखता है, वहां जाकर राहुल गांधी जी को मोहब्बत की दुकान लगानी चाहिए थी।

पप्पू यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर किया नामांकन

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में नामांकन के आखिरी दिन पूर्णिया संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के बागी नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामजदगी का पर्चा दाखिल कर दिया । महागठबंधन में पूर्णिया सीट कांग्रेस को नहीं मिलने से नाराज श्री यादव ने गुरुवार को निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पूर्णिया की जनता ने उन्हें इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ने का आदेश दिया है इसलिए उन्होंने नामांकन दाखिल किया है। वह पूर्णियां सीट से निर्दलीय चुनाव भले ही लड़ रहे हैं लेकिन उन्हें कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा,፣मैं इंडिया गठबंधन को मजबूत करूंगा, मेरा संकल्प राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

चोर को किया गिरफ्तार

तुरकौलिया। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के पानापुर मचहा चौक से एक शातिर चोर को तुरकौलिया पुलिस ने बुधवार की रात छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर उक्त गांव का विक्रमा सहनी का पुत्र साहेब सहनी है। बताया जाता है कि तुरकौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा भूमिहारी टोला गांव में विगत 18 फरवरी की रात में शिवम कुमार के घर मे घुस कर चोरी कर रहे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा। जबकि दो अन्य चोर बाइक से फरार हो गए। पकड़ा गया चोर बैरिया डीह का अजय सहनी था।जिसने भागने वाले अपने दोनो साथियों के नाम का खुलासा किया था। जिसमे एक पनापुर मचाहा के साहेब सहनी व बैरिया डीह का अंकित दास था। मामले में शिवम ने एफआईआर दर्ज कराया था। जिसमे

कहा था कि उनके भाई शुभम की शादी का बारात पहाड़पुर के बावरिया के रहने वाले हीरा सिंह के यहां गई थी। इसी बीच उनके घर में घुसकर चोर चोरी कर रहे थे। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए शातिर चोर साहेब को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

देशी कट्टा के साथ तीन बदमाश गिरफ्तार

चोरी की दो बाइक, दो मोबाइल, जिंदा कारतूस व मास्टर चाभी भी बरामद

बीएनएम@केसरिया। वाहन जाँच के दौरान तीन बदमाशों को पकड़ा गया है। इनके पास से चोरी की दो बाइक व हथियार सहित अन्य समान बरामद किया गया है। गुरुवार को थाना में पत्रकारों को जानकारी देते हुए डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव में विधि-व्यवस्था को लेकर केसरिया-चकिया पथ के केसरिया हाई स्कूल के समीप बुधवार को वाहन जाँच किया जा रहा था। इसी क्रम में तीन बादमाशों को पकड़ा गया। पकड़े गये बादमाशों में डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के बनपरुआ का अक्षय कुमार, बिजधरी ओपी क्षेत्र के

सुन्दरापुर मलाही टोला का श्रीकांत कुमार व विक्रम कुमार शामिल है। इन लोगों के पास से देवरिया से लूटी गई एक अपाची बाइक व मुजफ्फरपुर सदर से चोरी की एक स्प्लेंडर बाइक के अलावे एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, दो मोबाइल व एक मास्टर चाभी बरामद की गई है। गिरफ्तार बादमाशों में श्रीकांत व विक्रम का आपराधिक इतिहास है। इन दोनों पर लूटकांड मामले में देवरिया थाना व चोरी मामले में मुजफ्फरपुर सदर थाना में मामला दर्ज है। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बादमाशों को आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, बिजधरी ओपी प्रभारी राजीव कुमार, एसआई बादशाह चौहान, पीएसआई ओम पाल, राजीव रंजन सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

एक लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन पर नजर रखें बैकर्स, जानकारी करें साझा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

बेतिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के उदेश्य से आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में जिले के सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधक, प्रतिनिधि उपास्थित थे। बैंकर्स को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ एवं निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न कराने में बैंकर्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। अभ्यर्थी के स्वयं के नाम से अथवा उनके अभिकर्ता के साथ संयुक्त रूप से निर्वाचन हेतु बैंक खाता खुलवाने में बैंकर्स नियमानुसार सहयोग करेंगे। इसके साथ ही समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए निर्देशों का अचूक रूप से अनुपालन करेंगे।उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य

उद्देश्य एक लाख रुपये से अधिक की जमा एवं निकासी की निगरानी करना एवं संदेहास्पद लेनदेन की सूचना जिला प्रशासन को देना है। बैंकर्स एक लाख रुपये से अधिक ट्रांजेक्शन (विगत दो माह) पर नजर रखेंगे एवं जानकारी साझा करेंगे। आरटीजीएस के माध्यम से एक ही खाते से दूसरे खाते में एक से अधिक बार ट्रांजेक्शन से संबंधित गतिविधि पर नजर रखेंगे। अभ्यर्थी अथवा उससे संबंधित अन्य खाते से एक लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन एवं राजनैतिक दलों के खाते से एक लाख से अधिक ट्रांजेक्शन पर नजर रखेंगे। ईएसएमएस (इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम) के द्वारा क्यूआर कोड जनरेट करके ही बैंक की नगदी अन्य शाखों या एटीएम में प्रेषित कराएं ताकि जांच के दौरान राशि की पुष्टि की जा सके। नगदी मूवमेंट के समय ईएसएमएस द्वारा जेनरेट क्यूआर कोड अनिवार्य रूप से रखा जाय। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक सतीश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला बैंकिंग शाखा एस प्रतीक, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, बेतिया यशलोक रंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित थे।

संध्या चौपाल लगाकर चमकी बुखार के लक्षण व उपचार को बतायें

बीएनएम@केसरिया। चमकी बुखार की रोकथाम को लेकर बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं को चमकी बुखार के लक्षण व उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ हीं अपने-अपने पोषक क्षेत्र में भ्रमण कर इससे बचाव के बारे में लोगों को जानकारी देने को कहा गया। शिविर में मौजूद बीएचएम धर्मराज ने कहा कि गर्मी में एईएस-जेई के मामले सामने आते हैं। जिसकी रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय है। जनजागरूकता के माध्यम से इस बीमारी के लक्षण व उपचार के बारे में लोगों को बतायें ताकि इस बीमारी से समय रहते बचाव किया जा सके। उन्होंने सभी आशा कार्यकर्ताओं से कहा कि संध्या चौपाल लगाकर इसके बारे में लोगों को जानकारी दें। साथ हीं संबंधित आशा

कार्यकर्ता अपने पोषक क्षेत्र के एक से 16 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की सूची उपलब्ध करायें। वहीं बीसीएम विवेक कुमार ने बताया कि इस मौसम में बच्चों को तेज धूप से दूर रखें। साथ हीं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मौसमी फलों का सेवन करायें। उन्होंने बताया कि बच्चों को अधिक से अधिक पानी, ओआरएस या नींबू-पानी-चीनी का घोल पिलायें। यदि किसी को इस बीमारी की शिकायत होती है तो तुरंत इसकी जानकारी दें।

नौरंगिया में युवक की चाकू मारकर हत्या

–पुलिस आरोपियों को चिन्हित कर छापेमारी में जुटी

मोतिहारी। जिले के लखौरा थाना क्षेत्र के नौरंगिया गांव में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक लखौरा गणेश टोला का 22 वर्षीय तारकेश्वर कुमार उर्फ पप्पू कुमार बताया गया है। वह इलेक्ट्रिक मेकेनिक का काम करता था। बताया गया है कि घटना के बाद पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल युवक को मोतिहारी शहर एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचाया। जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता ने बताया कि उसे 70 हजार रुपया देकर बाइक का लोन भुगतान करने के लिये कहा था। उसका कीमती स्मार्ट फोन भी गायब है जबकि बाइक को किसी ने घर पर छोड़ दिया। वह अपनी बाइक से घर से निकला था इस बीच लगभग सुबह के 10 बजे उन्हें सूचना मिली कि उनका बेटा रहमानिया

में है जिसको चाकू मार दिया गया है। चाकू पप्पू के साइड में मारी गई है। पिता ने बताया कि किसी से उनकी दुश्मनी नही है। वही पुलिस इस घटना को लेकर चार युवकों को चिन्हित कर उसके विरुद्ध छापेमारी कर रही है। इस बाबत मुफसिल सर्किल इंस्पेक्टर अरशद रजा ने बताया है कि पुलिस घटना के कारणों का पता लगा रही है। वही आरोपियों के विरुद्ध छापेमारी की जा रही है।

चुनाव में गड़बड़ी को लेकर सी–विजिल ऐप पर करे शिकायत,100 मिनट में होगी कारवाई: डीएम

मोतिहारी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होने कहा कि चुनाव में गड़बड़ी को लेकर कोई भी नागरिक चुनाव आयोग के सी-विजील ऐप का उपयोग करके इसकी शिकायत कर सकता है। प्राप्त शिकायत पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिला में 24 कोषांगों का गठन किया गया है। सभी कोषांगो के नोडल पदाधिकारी को अंतर कोषांगीय समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया गया है, ताकि सभी कार्य सुचारू रूप से ससमय संपन्न कराई जा

सके। डीएम ने कहा है कि अधिकारियों को प्रलोभन मुक्त मतदान के लिए सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए 392 सेक्टर पदाधिकारी एवं 392 पुलिस पदाधिकारी क्षेत्र में लगातार क्रियाशील हैं। एनफोर्समेंट एजेंसी के द्वारा पैसों के ट्रांजैक्शन पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में 39 स्टैटिक निगरानी टीम तथा 39 फ्लाइंग स्क्वायड टीम, उत्पाद विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में सक्रिय है। चुनाव के दौरान वीडियो सर्विलांस टीम,वीडियो व्यूइंग टीम क्रियाशील रहेगा।

पिस्टल के बल पर खैनी व्यवसायी से बीस हजार की लूट

-तीन की संख्या में बाइक सवार अपराधियों ने दिया घटना के अंजाम

मोतिहारी। जिले के कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत चैनपुर बाजार स्थित केपी सिंह मार्केट में खैनी व्यवसाई से बीस हजार रुपए लूट की घटना सामने आई है। घटना बुधवार की रात्रि करीब दस बजे की बतायी जा रही है। बताया गया कि बाइक सवार तीन अपराधियों ने दुकान खुलवाकर पिस्टल के बल पर लूट पाट किया।घटना को लेकर पीड़ित व्यवसाई शंभु कुमार थाने में आवेदन दिया है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया की घटना की जांच की जा रही है। मार्केट के अगल बगल लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शहीद सेना की पत्नी से उच्चको ने उड़ाया 50 हजार

मोतिहारी। जिले के नगर थाना क्षेत्र के ज्ञानबाबू चौक के समीप एक शहीद सेना की पत्नी से उच्चको ने 50 हजार नगद उड़ा लिया।घटना को लेकर पीड़ता शांति देवी पति स्व. सत्येद्र प्रसाद चांदमारी एकौना , वार्ड नं0 26 निवासी ने नगर थाना को दिये लिखित आवेदन में कहा है कि दोपहर को वह मीना बाजार सेंट्रल बैंक से 80 हजार रुपये की दो बंडल छोटा बैग में लेकर नीचे उतर कर चांदमारी जाने के लिये टेम्पो में बैठी। इस बीच चार युवक भी उक्त टेम्पो में बैठ गए। ज्ञानबाबू चौक के पास पहुंचते ही एक बदमाश ने कहा कि अंटी आपके शरीर पर छोला का रस गिरा हुआ है। इतना में टेम्पो रुका और एक युवक पानी से महिला के शरीर पर गिरा छोला का ग्रेबी साफ करने लगा। बाद में शांति देवी घर पहुंची तो बैग से 50 हजार का गड्डी गायब था। शांति देवी के मुताबिक बदमाश बैग में ब्लेड मार कर 50 हजार के नोट का एक बंडल निकाल लिया। उल्लेखनीय है,कि शांति देवी की शादी 1967 में स्व. सतेंद्र प्रसाद से हुई थी, जिनकी मौत 1971 के भारत-पाक युद्ध में हो गयी। बहरहाल पुलिस ने इस मामले की जांच में जुटी है।

आग से दस घर जलकर राख, लाखों की क्षति

मोतिहारी। जिले के संग्रामपुर प्रखंड के पश्चिमी मधुबनी पंचायत वार्ड 6 दरियापुर गांव में गुरुवार को दोपहर अचानक लगी आग से दस लोगों का घर जल कर राख हो गया। आग से घर में रखे फर्नीचर, अलमीरा , फ्रिज, बिछावन, कपड़ा, खाधान्न, आभूषण सहित लगभग आठ लाख की सम्पत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने की कारणो का खुलासा नही हो सका है। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने के कोशिश के बीच सूचना पर पहुंची फायरब्रिगेड की गाड़ी ने घंटो प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।पीड़तिों में सकील खां, भिखारी खां, कलीमुद्दीन खां वसीम खां, जवरुद्दीन खां, नसीम खां, अजहरुद्दीन खां समीउल्लाह खां, तबरेज खां शाहन्सा खां शामिल हैं। पीड़ितों ने बताया कि अचानक लगी आग में सबकुछ बर्बाद हो गया।घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंचे अंचलाधिकारी अतुल कुमार सिंह घटना स्थल का जांच कर राजस्व कर्मचारी संजय कुमार को पीड़ितों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया।उन्होने बताया कि रिपोर्ट के बाद पीड़ितो के बीच आर्थिक सहायता मुहैया कराई जायेगी।

इंटर एवं मैट्रिक में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

इंटर परीक्षा में आकाशी कुमारी तो मैट्रिक परीक्षा में लकी कुमारी ने प्रखंड में की है प्रथम स्थान हासिल

प्रथम श्रेणी से इंटर में 16 एवं मैट्रिक में 8 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को माला पहनकर डायरी, पेन एवं मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित

पताही। प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत के सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहकर मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में प्रथम श्रेणी से सफल छात्र-छात्राओं को फूल का माला पहनकर एवं पेन, डायरी तथा मेमोंटो देकर पदुमकेर पंचायत के मुखिया निधि कुमारी ने सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष के भाति इस वर्ष भी पंचायत के इंटर परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण 16 छात्र-छात्रओ एवं मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण 8 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया है। जिसमें प्रखंड टॉपर चकितबल गांव निवासी उदय शंकर मिश्र के पुत्री आकाशी कुमारी जो इंटर परीक्षा में 456 अंक लाकर पूरे प्रखंड में प्रथम स्थान एवं जिले में तीसरा स्थान पाकर प्रखंड सहित पूरे पंचायत का नाम रौशन की है वही पदुमकेर गांव निवासी इंदल मंडल के पुत्री मिकी कुमारी ने 415 अंक प्राप्त कर पंचायत मे प्रथम स्थान लाकर सभी पंचायत वासियों को मान सम्मान बढ़ाने का कार्य कि है। एवं मैट्रिक परीक्षा में भकुरहिया गांव निवासी उमेश सिंह के पुत्री लकी कुमारी 453 अंक लाकर पूरे प्रखंड में प्रथम स्थान लाई है। वही जरदाहा गांव निवासी गिरिजा सिंह के पुत्री कोमल कुमारी 436 अंक लाकर पूरे प्रखंड में दूसरा स्थान पाई है। सम्मानित कार्यक्रम के दौरान मुखिया निधि कुमारी ने बताया कि जब कोई सुदूर देहात के रहने वाले गरीब परिवार के छात्र छात्राओं अपनी कड़ी मेहनत से मुकाम हासिल करते हैं तो क्षेत्र के साथ-साथ जिला का नाम व अपने मां-बाप व ग्रामीण क्षेत्र का मान बढ़ाता है। इन छात्रों से अन्य छात्र भी मेहनत के लिए प्रेरित होंगे। ताकि आगामी वर्षों में भी इससे बेहतर परिणाम हासिल कर जिले के साथ प्रखंड एवं पंचायत में नाम रोशन करेंगे। मौके मुखिया निधि कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि सरोज कुमार सिंह, वार्ड सदस्य प्रभात कुमार, संजय कुमार, विकेश कुमार, प्रदुमन कुमार, राजा कुमार, विनोद कुमार, चुनचुन राम सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

रक्सौल में चरस गांजा–स्मैक की पुड़िया के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर जिले भर में चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान गुप्त सूचना पर रक्सौल पुलिस ने तीन तस्कर को दबोचा है। जिनके पास से साढे तीन किलो गांजा,500 ग्राम चरस व 89 छोटा पुड़िया के शक्ल में करीब 50 ग्राम स्मैक,बीयर,15 पीस रबर,एक स्टैपलर व 7 डिब्बा स्टैपलर पिन व दो मोबाइल बरामद किया है। पकड़े तस्करों की पहचान रामचंद सोथत नवीन क्वार्टर, थाना-रक्सौल,आजाद खान, थाना-रक्सौल, जिला पूर्वी चम्पारण व सोनू कुमार साह, थाना-मुसहरवा, जिला-बारा नेपाल के रूप में हुई है।जिनके विरूद्ध रक्सौल थाना में कांड दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार,गुलाब चौधरी, सहायक कमाडेट, एसएसबी 47 वीं वाहिनी,रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा,एसआई हरे राम तिवारी,पीएसआई प्रभात कुमार,सअनि. तिलक राज, रक्सौल पुलिस के सशस्त्र बल व एसएसबी 47 वीं वाहिनी के जवान शामिल थे।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Friday 05 April 2024

पाक की स्याह सियायत का चेहरा जरदारी

आसिफ अली जरदारी करप्शन के आरोपों के सिलसिले में 11 साल जेल में रहे। पर, किस्मत का खेल देखिए कि अब वह दूसरी बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति बन गए हैं। यही पाकिस्तान की राजनीति के स्याह चेहरे का सच है। पिछले तीन दशकों से, वे जेल और सत्ता के नजदीक रहे हैं। उन्हें संभवतः पाकिस्तान का सबसे बदनाम राजनेता माना जा सकता है, जो सत्ता के सर्वोच्च पद तक पहुंचने में कामयाब रहा। व्हीलिंग और डीलिंग में माहिर रहे हैं जरदारी। वो 2007 में बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद देश की राजनीति में आए थे। उसके बाद जरदारी अपने देश के राष्ट्रपति बन गए। बेशक, जरदारी से बेहतर सत्ता की राजनीति कोई नहीं कर सकता। एक दशक से अधिक समय तक जेल में रहने और लगातार विवादों में घिरे रहने के बाद, वह पाकिस्तानी राजनीति में अछूत से लेकर निर्विवाद किंगमेकर बन गए। जरदारी एक चतुर और चालाक राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। उन्होंने दिसंबर 2007 में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) नेतृत्व की कमान संभाली। उन्होंने 2008 के संसदीय चुनावों में पीपीपी को जीत दिलाई और सैन्य नेता जनरल परवेज़ मुशर्रफ को पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। बेनजीर भुट्टो के पहले कार्यकाल के दौरान, जरदारी पर संपत्ति हड़पने के लिए अपनी पत्नी के पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगे। विपक्ष ने आरोप लगाया कि जरदारी ने हर सरकारी परियोजना पर कमीशन लिया और उन्हें "मिस्टर टेन परसेंट" का लेबल दिया।उन्हें अपनी पत्नी की पहली सरकार के पतन के लिए भी दोषी ठहराया गया। उन्हें पहली बार 1990 में गिरफ्तार किया गया। जरदारी ने ऐसे समय में राजनीतिक मैदान में उतरने का फैसला किया, जब सब कुछ उनके खिलाफ होता दिख रहा था। उन्होंने 1990 में अपने गृह नगर सिंध के नवाबशाह से नेशनल असेंबली सीट के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया था। कुछ हफ़्ते बाद, उन्हें कई आरोपों में गिरफ़्तार कर लिया गया। वह चुनाव भी हार गए, लेकिन वे 1993 में नेशनल असेंबली के लिए चुने गए।

बांग्लादेश में भारत के दुश्मन कौन ?

आर.के. सिन्हा

कोई चाहे तो बांग्लादेश के विपक्ष से एहसान फरामोशी सीख सकता है। जिस भारत ने बांग्लादेश को , या यूँ कहें कि 1970 तक के पूर्वी पाकिस्तान, की प्रताड़ित और पीड़ित आम जनता के हितों की रक्षा के लिए पाकिस्तान से युद्ध मोल लिया, उस बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलती रहती है। उसके जहरीले अभियान से पड़ोसी मुल्क के कठमुल्लों को भी भारत और अपने ही बांग्लादेश के हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा करने का मौका मिल जाता है। बांग्लादेश में बीएनपी ने हाल ही में भारत के उत्पादों के बॉयकाट का आहवान भी किया हुआ है। इसके चलते वहां प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की सरकार और विपक्ष आमने-सामने है। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना कोई नई बात नहीं है। पिछले साल क्रिकेट विश्व कप में भारत की हार के बाद ढाका और वहां के कई शहरों में जश्न मना था।मैं तो स्वयं 1970 के भारत - पाक युद्ध में " युद्ध संवाददाता " के हैसियत से बांग्लादेश में भारतीय सेना के साथ रहा था । युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने लाखों बांग्ला भाषी मुसलमान भाइयों को क़त्लेआम से बचाया , हज़ारों बंगाली बेटियों और बहनों को पाकिस्तानी सेना द्वारा किए जा रहे बलात्कार से रक्षा की । इन सभी अत्याचारों का मैं प्रत्यक्षदर्शी गवाह हूँ । लेकिन , बांग्लादेश की आज़ादी के बाद जब बंगबंधु शेख़ मुज़ीबुर रहमान ने सभी युद्ध संवाददाताओं के साथ - साथ वरिष्ठ संपादकों को एक विशेष ट्रेन भेजकर बुलाया , तभी जगह - जगह " इंडियाज़ जिनीस - पत्तर भालो नेई" के वाल पेंटिंग देखने को मिले । जब मैंने शेख़ मुजीब के पीआरओ से पूछा कि भारत ने तो युद्ध के बाद लाखों बांग्लादेशियों को भुखमरी से बचाया , हज़ारों मकान बनवाये , फिर यह क्या चल रहा है ?" तब पीआरओ ने कहा , "आप चिंता मत कीजिए । कुछ हिंदू विरोधी कट्टरपंथी हैं, उन्हें ठीक करने में सरकार लगी हुई है ।" लेकिन , वे तो आज भी बने हुए हैं, बल्कि ; कई गुना बढ़ गये हैं। बांग्लादेश में भारत के कथित हस्तक्षेप को लेकर विरोध और असहमति 1990 के दशक से देखी जा रही है । लेकिन , हाल के वर्षों में विरोध के ये सुर कहीं ज़्यादा मुखर हुए हैं। आपको याद ही होगा कि बीएनपी और उसकी सहयोगी पार्टियों ने देश में बीती जनवरी में हुए आम चुनाव का बहिष्कार किया था। इस चुनाव में जीत के बाद शेख़ हसीना चौथी बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनी थीं। आप कह सकते हैं कि आम चुनाव के बाद से बीएनपी के अधिकांश नेता ये माहौल बनाने में जुटे हुए हैं कि बांग्लादेश के एकतरफ़ा चुनाव को सिर्फ़ भारत की वजह से वैधता मिली है और इसलिए लोगों को भारत और उसके उत्पादों का बहिष्कार करना चाहिए। बांग्लादेश से आ रही खबरों से संकेत मिल रहे हैं कि बीएनपी की विदेश मामलों की कमिटी (एफ़आरसी) चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध प्रगाढ़ करना चाह रही है। संकेत बहुत साफ है कि बीएनपी भारत से नफरत करती है। हालांकि उसकी नफरत की वजह समझ से परे है। भारत का 1947 में बंटवारा हुआ। पंजाब और बंगाल सूबों के कुछ हिस्से पाकिस्तान में चले गए। आगे चलकर पाकिस्तान का वह भाग, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहते थे, 1971 में एक स्वतंत्र देश के रुप में विश्व मानचित्र पर उभरा । नए देश का नाम बांग्लादेश के रूप में जाना गया। उसकी स्थापना में भारत का योगदान रहा। पर वहां पर शुरु से ही घनघोर कठमुल्ले छाए रहे। उनकी जहालत की एक तस्वीर लगातार देखने को मिलती रहती है। वहां पर

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

Today's Opinion

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं। विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

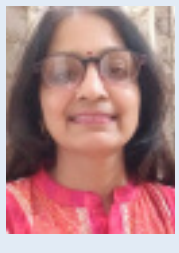

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

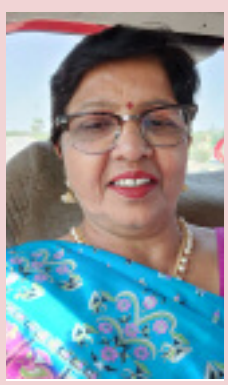

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

BNM Fantasy

Friday
05 April 2024

राशि खन्ना ने खरीदा सपनों का आशियाना

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस राशि खन्ना आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में मद्रास कैफे से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों में देखा गया, लेकिन एक्ट्रेस को पहचान शाहिद कपूर की पॉपुलर वेब सीरीज 'फर्जी' से मिली। इसके बाद वह हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'योद्धा' में दिखाई दी थीं। फिल्मों में बेहतरीन अभिनय दिखाने के बाद अब एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में हैं। दरअसल, राशि ने हैदराबाद में घर खरीदा है, जिसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं।

भ

भोजपुरिया हॉट केक अंजना सिंह और यामिनी सिंह स्टारर फिल्म बड़े घर की बेटी की शूटिंग शुरू

B4u मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत नीलम तिवारी फिल्म (OPC) प्राइवेट लिमिटेड के बैनर से बनने वाली भोजपुरी फिल्म "बड़े घर की बेटी" की शूटिंग शुरू हो गई है। यह एक कंटेंट प्रधान और महिला सशक्तिकरण की कहानी पर आधारित फिल्म होने वाली है, जिसमें भोजपुरिया हॉट केक अंजना सिंह और नई जनरेशन की सनसनी यामिनी सिंह मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह, अंजनी तिवारी और नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक संजीव बोहरपी हैं। फिल्म को बिग स्केल पर शूट किया जा रहा है। यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा को नई दिशा देने वाली हो सकती है। फिल्म के निर्माता ने बताया कि बड़े घर की बेटी बेहद सामाजिक और सरोकारों वाली फिल्म है। यह मनोरंजन के साथ-साथ एक सार्थक संदेश भी समाज को देगी। वहीं, फिल्म के निर्देशक संजीव बोहरपी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जोरों शोरों से चल रही है। इस फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। उन्होंने कहा कि बचपन में मुंशी प्रेमचंद की कहानी बड़े घर की बेटी पढ़ा था, फिर इस टाइटल से हिंदी सिनेमा में एक फिल्म भी बनी थी। लेकिन हमारी यह फिल्म इन दोनों से काफी अलग है और फ्रेश कहानी के साथ हम दर्शकों के सामने आएंगे। फिल्म की कास्टिंग भी कहानी के हिसाब से ही की गई है इसलिए हमें लगता है कि यह फिल्म दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी पसंद आएगी। वही फिल्म को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि कथ्य प्रधान फिल्मों में काम करने का अपना ही अंदाज होता है।

अमेरिका पहुंचते प्रियंका चोपड़ ने शुरू की शूटिंग

हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी देसी गर्ल

पिछले महीने प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ भारत में थीं। एक्ट्रेस ने मुंबई में करीब 10 से 15 दिन बताए। इस दौरान अभिनेत्री ने परिवार के साथ होली का भी जश्न मनाया और भाई सिद्धार्थ चोपड़ा के रोका सेरेमनी फंक्शन का भी हिस्सा बनीं थी। 30 मार्च को अभिनेत्री अमेरिका के लिए रवाना हो गई थी। ऐसे में अब पीसी एक बार फिर अपने काम पर लौट चुकी हैं। इसकी जानकारी खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा की है। प्रियंका ने अपनी आने वाली नई फिल्म की घोषणा की है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं।प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर कर हॉलीवुड प्रोजेक्ट की झलक दिखाई है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अब 'हेड ऑफ स्टेट' शुरू करने जा रही हैं। यह हैरिसन केरी द्वारा लिखा गया है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "और हम वापस आ गए।" प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर कर हॉलीवुड प्रोजेक्ट की झलक दिखाई है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अब 'हेड ऑफ स्टेट' शुरू करने जा रही हैं। यह हैरिसन केरी द्वारा लिखा गया है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "और हम वापस आ गए।"प्रियंका इन दिनों बॉलीवुड और हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में भी व्यस्त हैं। हाल ही में प्राइम वीडियो के इवेंट में भी प्रियंका शामिल हुईं। कार्यक्रम में प्रियंका ने अपनी डॉक्युमेंट्री वुमन ऑफ माइ बिलियन की घोषणा की, जो देश की ऐसी महिलाओं की कहानी दिखाएगी, जिन्होंने जीवन में हिंसा का सामना किया है। अजितेश शर्मा निर्देशित डॉक्युमेंट्री प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।